कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा फसल अवशेष प्रबन्धन विषय पर प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केन्द्र भाकृअप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर, बरेली द्वारा प्रसार कार्यकर्ताआंे हेतु फसल अवशेष प्रबन्धन विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुये संयुक्त निदेशक (प्रसार शिक्षा) ने बताया कि धान, गेहूँ, गन्ना उत्पादक क्षेत्रों में यह मुख्य समस्या है कि किसान भाई अगली

फसल की शीघ्र बुवाई या अवशेष प्रबन्धन में आने वाली लागत को देखते हुये उसे खेत में ही जलाकर नष्ट कर देते है जिसका सीधा दुष्प्रभाव खेत की उत्पादकता के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण, परिवहन, मृदा पर्यावरण आदि पर

पड़ता है। इन सबको देखते हुये यह कार्यक्रम प्रसार कार्यकर्ताओं के लिये अत्यन्त महत्वपूर्ण है क्योंकि कृषकों तक फसल अवशेष प्रबन्धन तकनीक को पहुॅचाना उनका दायित्व है। श्री राकेश पाण्डेय, विषय विशेषज्ञ ने इस अवसर पर पाॅवर प्वाइन्ट के माध्यम से देश एवं प्रदेश मंे उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों फसल उत्पादन फसल अवशेष उत्पादन फसलवार अवशेषों को जलाने उनके विभिन्न उपयोग तथा हैप्पी सीडर, श्रेडर, भूसा बनाने के मशीन, जीरो टिलेज फर्टीसीन्डड्रिल, मल्चर, वेस्ट डिकम्पोजर आदि तकनीकों के माध्यम से फसल अवशेष प्रबन्धन के विषय मंे जानकारी दी। श्री रंजीत सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया तथा धान एवं गेहूॅ की फसलों के अवशेषों का मशरूम उत्पादन व पैकेजिंग मंे उपयोग के सम्बन्ध में जानकारी दी। डा0 पीयुष कान्ति मुखर्जी, वरिष्ठ वैज्ञानिक ने प्रसार कार्यकत्र्ताओं को नेपियर घास की उत्पादन तकनीक की विस्तार से जानकारी देते हुये प्रसार कार्यकर्ताओं से आहवान् किया कि वे पशुपालकों को हरे चारे की उपलब्धता बढ़ाने में नेपियर घास की भूमिका के बारे मंे जानकरी दें। कार्यक्रम में इफ्को-एमसी के प्रतिनिधि ने धान की खेती में फसल सुरक्षा उपायों की जानकारी प्रदान की। इस कार्यक्रम में बरेली जनपद के सभी 15 विेकासखण्डों के 109 प्रसार कर्मचारियों/ अधिकारियों ए.टी.एस. बी.टी.एम. तकनीकी सहायक, विषय विशेषज्ञ ने भाग लिया।